भोपाल। एक अक्टूबर से पीएससी मेन्स की परीक्षा शुरू होने वाली है और सभी प्रतिभागी ऐसे में पूरी तरह से तैयारियों में जुट गए हैं। एग्जाम के लिए केवल 80 दिन बचे हैं और ऐसे में न केवल एक-एक दिन का महत्व है, बल्कि सही तरीके से पढ़ाई करना भी जरूरी है।

इस बार 6 एग्जाम होंगे। इनमें 4 जनरल स्टडी, 1 हिंदी और 1 निबंध का होगा। 1 अक्टूबर से 7 अक्टूबर तक चलने वाली पीएससी मेन्स की परीक्षा प्रतिभागियों के लिए बहुत जरूरी है क्योंकि केवल 1 मार्क के फर्क से ही बहुत बड़ा अंतर आ जाता है। मेन्स और इंटरव्यू को मिलाकर फाइनल मार्क्स होंगे और इस बार सीटें बहुत कम है। कुल 255 सीटें हैं और 4400 प्रतिभागी एग्जाम दे रहे हैं।

इनमें से केवल 800 मेन्स में सलेक्ट होंगे। 80 दिनों में की गई दमदार तैयारी से प्रतिभागी पांसा पलट सकता है। इस वक्त स्टूडेंट्स को तीन तरह की परेशानियां आ सकती हैं।

इस एग्जाम पैटर्न में आते हैं सीधे और सरल प्रश्न

* एग्जाम का पैटर्न नया नहीं है। 2 बार इस पैटर्न के एग्जाम हो चुके हैं।
* इस एग्जाम में सीधे और सरल प्रश्न आते हैं, घुमा-फिराकर नहीं। इसलिए 2014-15 के मेन्स के पेपर को डाउनलोड करके पैटर्न को समझें।
* सिलेबस का एक पॉइंट भी नहीं छोड़ें। हाई लेवल की बुक्स से स्टडी करें और जिनकी बुक्स नहीं हैं, वे टॉपिक इंटरनेट से पढ़ें।
* गाइड को बिल्कुल यूज न करें। म.प्र. जनसंपर्क की बेवसाइट पर जाकर गर्वमेंट की पॉलिसी आदि पढ़ें।
* सिलेबस से संभावित प्रश्नों की लिस्ट बनाएं और उनके उत्तर भी सोचकर रखें।
* आज से हर रोज 40-45 पेज लिखने की आदत डालें।

सेल्फ रिर्स से मिलते हैं अच्छे मार्क्स

* आपके डिफरेंट कॉन्सेप्ट पर और आपने कितना रिसर्च किया है।
* पॉइंटवाइज लिखने पर।
* लेखनशैली अच्छी होने, भाषा पर कमांड होने और इफैक्टिव प्रजेंटेशन पर।
* इंग्लिश मीडियम के बच्चों को एक्स्ट्रा एफर्ट करने की जरूरत है। क्योंकि आखिरी दो पेपर हिंदी और निबंध लेखन हिंदी में ही होंगे।
* इसके लिए वे अभी से रोज दो निबंध पढ़ने और लिखने की प्रैक्टिस कर सकते हैं। हिंदी और बेहतर करने के लिए आप किसी भी स्थानीय अखबार का एडिटोरियल पेज अच्छी तरह से पढ़ें।

तीन परेशानियां

* सिलेबस बहुत बड़ा है। पूरी तैयारी कैसे हो।
* सिलेबस की किताबें मार्केट में उपलब्ध नहीं हैं।
* आईएएस की परीक्षा से भी डेढ़ गुना ज्यादा इसमें लिखना पड़ता है यानी 4500 शब्द।